सावन के सोमवार की
शुभकामनाएं

सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com
RNI No: UPHIN/2023/86769
swarajindianews
swarajindianews

मूल्यः
₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 21 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 195, पृष्ठः 8+4

इनसाइड विकास की नई उड़ान, चार साल के कार्यकाल का मनाया जश्न... » Pg 04

'कोई तकलीफ है तो बताइए मंत्री जी के बड़े बेटे आए हैं'... » Pg 12

व्रत रखे थे युवक

जोमैटो से मंगाया पनीर, आया चिकन

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर के एक रेस्टोरेंट में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। सावन व्रत रखे दो युवकों ने जोमैटो ऐप के जरिए पनीर काली मिर्च ड्राई का ऑर्डर दिया था, लेकिन उन्हें चिकन काली मिर्च डिलीवर कर दी गई। खाना खाने के बाद एक युवक की तबीयत बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। जोमैटो के जरिए यह ऑर्डर इंदिरा नगर निवासी मनीष तिवारी और उनके दोस्त विशाल शर्मा ने पंचवटी कॉलोनी स्थित चाइनीज वॉक रेस्टोरेंट से दिया था। मनीष ने बताया कि ऑर्डर आने के बाद बिना किसी शक के चार लोगों को खाना परोसा गया। लेकिन खाने के कुछ देर बाद शक हुआ कि यह डिश पनीर नहीं बल्कि कुछ और है। जब ध्यान से जांच की गई, तो स्पष्ट हुआ कि उसमें चिकन था।

मुजाहिद बनना चाहती थी जोया

आईएसआईएस की तर्ज पर हो रहा था काम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। आगरा में दो बहनों की गुमशुदगी की जांच ने एक संगठित धर्मांतरण गिरोह का खुलासा किया है, जो आईएसआईएस की तर्ज पर काम कर रहा था। पुलिस ने छह राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यूपी में बलरामपुर के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के धर्म परिवर्तन के रैकेट को एजेंसियां तोड़ भी नहीं पायीं थीं कि उससे भी चौंकाने वाला मामला आगरा से आया है। आगरा में दो बहनों की गुमशुदगी की जांच ने एक संगठित धर्मांतरण गिरोह का खुलासा किया है, जो आईएसआईएस की तर्ज पर काम कर रहा था।

पुलिस ने छह राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें गोवा की आयशा उर्फ एस.बी. कृष्णा, कोलकाता के अली हसन उर्फ शेखर रॉय, और आगरा के यूट्यूबर रहमान कुरैशी शामिल हैं। यह गिरोह नाबालिग लड़कियों को प्रलोभन और प्रेम जाल के जरिए रैडिकलाइज कर धर्मांतरण कराता था।

दरअसल पुलिस को एक बहन जोया के सोशल मीडिया अकाउंट से एके-47 के साथ तस्वीर मिली, जो मुजाहिद बनने की उसकी मंशा को दर्शाती थी। इलेक्ट्रॉनिक चैट के आधार पर पूछताछ में जोया ने कई खुलासे किए। आगरा के रहमान कुरैशी, जो 'The Sunnah' नाम से यूट्यूब चैनल चलाता है। उसने जोया को अपने धार्मिक वीडियो के जाल में फंसाया। रहमान के चैनल पर 1.6 लाख फॉलोअर्स हैं, और वह धर्मांतरण करने वालों के वीडियो अपलोड कर प्रचार करता था।

छह राज्यों में फैला नेटवर्क : आगरा पुलिस आयुक्त दीपक कुमार के नेतृत्व में मार्च में दर्ज गुमशुदगी की शिकायत के बाद साइबर थाने की जांच में इस नेटवर्क का खुलासा हुआ। गिरोह का कामकाज उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और गोवा में फैला था। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि नेटवर्क के तार पीएफआई, एसडीपीआई और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से जुड़े हो सकते हैं।

कनाडा, अमेरिका से फंडिंग

पुलिस को कनाडा, अमेरिका, यूएई और दुबई से फंडिंग के सबूत मिले हैं। गोवा की आयशा फंडिंग को भारत में चैनलाइज करती थी, जबकि कोलकाता का अली हसन कानूनी सलाह और फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। गिरोह के सदस्य अलग-अलग भूमिकाएं निभाते थे, जैसे सेफ हाउस प्रदान करना, नए सिम और फोन देना, और रैडिकलाइजेशन।

गिरफ्तार आरोपियों की सूची

पुलिस ने आयशा, अली हसन, ओसामा, रहमान कुरैशी, अब्बू तालिब, अबुर रहमान, मोहम्मद अली, जुनैद कुरैशी, मुस्तफा उर्फ मनोज, और मोहम्मद अली को गिरफ्तार किया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 10 दिन की रिमांड पर भेजा है। पुलिस अब एजेंसियों की मदद से विदेशी फंडिंग और आतंकी कनेक्शन की जांच कर रही है।

शा

मुख्यमंत्री योगी के दिल्ली दौरे के निहितार्थ

संगठन में बड़े बदलाव के संकेत

» अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा राजनीतिक हलकों में चर्चा का केंद्र बन गया है। बीते रविवार को उन्होंने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लगातार मुलाकातें कीं। इन बैक-टू-बैक बैठकों ने सियासी गलियारों में सरकार और संगठन दोनों में संभावित फेरबदल की अटकलों को हवा दे दी है।

» सीएम का दिल्ली दौरा राजनीतिक हलकों में बना चर्चा का केंद्र

» जल्द उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन में बदलाव देखने को मिल सकते

सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष न सिर्फ प्रदेश संगठन को लेकर अपनी स्पष्ट राय रखी, बल्कि यह भी बताया कि आगामी चुनावों और प्रदेश की जमीनी हकीकत को देखते हुए किस चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि कौन सा चेहरा पार्टी के लिए राजनीतिक दृष्टि से अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री ने संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीति को लेकर अपना विजन स्पष्ट किया। पार्टी सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री की बात को गंभीरता से लिया गया है और जल्दी ही उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इन मुलाकातों में छिपा दूरगामी राजनीतिक संदेश

2027 विधानसभा चुनाव और 2029 लोकसभा चुनाव के लिहाज से भाजपा अभी से जमीन मजबूत करने की दिशा में सक्रिय दिख रही है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बढ़ती भूमिका और उनकी राय को मिल रही प्राथमिकता यह भी संकेत देती है कि उत्तर प्रदेश में संगठन अब उनके साथ बेहतर तालमेल के साथ काम करने की दिशा में बढ़ेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में भाजपा हाईकमान क्या फैसला लेता है और योगी की सिफारिशों को किस हद तक स्वीकार किया जाता है।

ईमानदारी को मिला प्रमाण,उत्कृष्ट लेखपालों को डीएम ने किया सम्मानित

» समाधान दिवस के मौके पर जायद खसरा फीडिंग में बेहतर कार्य करने वालों को मिला प्रशस्ति पत्र

» जो नहीं पहुंच सके उन्हें तहसील में बुलाकर सौंपा गया सम्मान

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शनिवार को बिल्हौर ब्लॉक के अम्बेडकर सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चल रहे समाधान दिवस के अवसर पर जायद खसरा फीडिंग कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लेखपालों को शुक्रवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डीएम ने कहा कि राजस्व से जुड़ा यह कार्य प्रशासनिक व्यवस्था की नींव है, और इसे ईमानदारी से निभाने वाले कर्मचारी प्रशंसा के पात्र हैं।

सुनील चौधरी, ईशा शुक्ला, शशि देवी, सुषमा गुप्ता, रजनीश, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सौरभ कुमार, शैलेश श्रीवास्तव, गोपाल दीक्षित, हर्षित, निमिशा सिंह, विकास वर्मा, सनत मिश्रा, स्मिता यादव, अनामिका सिंह,

शिवशंकर और अंजनी शुक्ला समेत अन्य लेखपालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

जिन्हें डीएम के हाथों नहीं मिल सका सम्मान, उन्हें बाद में तहसील में बुलाकर दिया गया प्रमाणपत्र

समारोह में कुछ लेखपाल उपस्थित नहीं हो सके, जिन्हें बाद में तहसील सभागार में बुलाकर प्रशस्ति पत्र सौंपे गए। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी कर्मठ कर्मचारी का सम्मान अधूरा न रहे।

समाधान दिवस बना प्रेरणा का केंद्र

डीएम की अध्यक्षता में चल रहे समाधान दिवस के दौरान जन शिकायतों के

निस्तारण के साथ-साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित किया गया।

इस अवसर पर कई प्रशासनिक अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

पचोर बना गंदगी का गढ़, सिस्टम बना मूकदर्शक

» न नाली बनी, न सफाई हुई पंचायत सचिव ब्लॉक से नहीं निकलते बाहर

» ग्रामीणों का अल्टीमेटम साफ-सफाई नहीं तो डीएम कार्यालय का घेराव तय

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत पचोर में स्वच्छ भारत अभियान की जमीनी हकीकत सड़कों पर सड़ती नालियों और कूड़े के ढेर से दिखाई दे रही है। गांव की गलियों में नालियां ओवरफ्लो कर रही हैं और जगह-जगह फैली गंदगी गंभीर बीमारियों को दावत दे रही है। ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की लापरवाही ने पूरे सरकारी सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर दिया है। गांववालों का कहना है कि आज तक न कोई नई नाली बनी और न ही पुरानी नालियों की सफाई करवाई गई। पंचायत सचिव चौबेपुर ब्लॉक कार्यालय में ही बैठते हैं और कभी गांव की सुध नहीं लेते। ऐसे में न निर्माण कार्य हो पा रहा है और न ही नियमित सफाई की व्यवस्था लागू हो रही है।

कूड़े से उठती बदबू, ग्रामीण बीमारियों के डर से सहमे

गांव की गलियों में पड़े कूड़े के ढेरों से उठती दुर्गंध अब लोगों को बीमार करने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि गंदगी से मच्छरों का प्रकोप और संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्वच्छता अभियान की बात करने वाले अधिकारी गांव की इस स्थिति को देखकर भी चुप हैं।पचोर गांव के लोग अब खुलकर सामने आने लगे हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही साफ-सफाई और नाली निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे डीएम ऑफिस का घेराव करने के लिए मजबूर होंगे। लोगों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रशासनिक अमला अब तक पूरी तरह से निष्क्रिय बना हुआ है।

पैसों के लेनदेन में गाली-गलौज, पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)थाना हाजा क्षेत्र के डाकापुरवा उत्तरिपुरा गांव में रविवार को पैसे के लेन-देन को लेकर एक युवक ने विवाद खड़ा कर दिया।

जानकारी के मुताबिक,आदित्य अपने ही गांव के सुरेन्द्र पुत्र रामप्रकाश से रुपयों के लेन-देन को लेकर गाली-गलौज करने लगा।

मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आदित्य को काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन वह उत्तेजित हो गया और मारपीट पर उतारू हो गया। पुलिस ने मौके पर स्थिति को संभालते हुए तत्काल कार्रवाई की और शांति भंग के आरोप में धारा 170 बीपीएमएस के तहत अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त को कार्यपालक मजिस्ट्रेट,सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर, कानपुर नगर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एलआईसी पॉलिसी में 214971050 में नाम शेखर सिंह /-बलवन्त सिंह चौहान दर्ज है, जबकि मेरे अन्य कागजों ओर अभिलेखों में शास्वत कुमार/ बलवंत सिंह चौहान दर्ज है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और मुझे भविष्य में दोनों नामो से जाना व पहचाना जाए।

शास्वत कुमार /बलवन्त सिंह चौहान
ग्राम पोस्ट मलासा तहसील
भोगनीपुर जिला कानपुर देहात।

स्वराज इंडिया की मुहिम से हिला फर्जीवाड़े का गिरोह, अब लगेगी कानूनी चोट

» संस्थान के पत्रकार की छवि धूमिल करने में जुटे आपराधिक चेहरे

» फर्जी पत्रकारों की गिरफ्तारी से घबराए गिरोह सोशल मीडिया को बना रहे हथियार

» पत्रकार शिवांक अग्निहोत्री ने सचेंडी थाने में दी तहरीर, कई नामजद

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बीते दिनों दैनिक स्वराज इंडिया अखबार ने कुछ ऐसे कथित पत्रकारों की सच्चाई उजागर की थी, जो वर्षों से पत्रकारिता की आड़ में संगठित अपराध को बढ़ावा दे रहे थे। इनके खिलाफ पहले से ही गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, और कुछ तो जिला बदर अपराधी के रूप में पुलिस रिकॉर्ड में चिह्नित भी हैं। जैसे ही इन चेहरों की काली सच्चाई जनता के सामने आई, इनकी बौखलाहट भी सामने आने लगी। अब जब इनका सामाजिक मुखौटा उतरने लगा है, तो उन्होंने दैनिक स्वराज इंडिया और इससे जुड़े पत्रकारों को बदनाम करने की साजिश शुरू कर दी है।

पुरानी वीडियो और झूठी कहानियो से हो रहा चरित्र पर हमला

कुछ पत्रकार के स्वरूप में समाज में व्याप्त अपराधिक तत्वों के द्वारा व्यक्तिगत रूप से पत्रकार शिवांक अग्निहोत्री को निशाना बनाया जा रहा है। तीन साल पहले की एक घटना, जिसमें वे स्वयं पीड़ित थे, का वीडियो सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ वायरल किया गया। इतना ही नहीं, कुछ सामान्य सार्वजनिक तस्वीरों को तोड़-मरोड़कर यह अफवाह फैलाई जा रही है कि वे अनैतिक गतिविधियों से जुड़े हैं, जबकि उनके खिलाफ कभी भी कोई महिला अपराध, देह व्यापार या अश्लीलता से संबंधित मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इस पूरी साजिश के पीछे वही आपराधिक गिरोह है, जिनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई पहले से जारी है। खबर स्वराज इंडिया सहित कई प्रतिष्ठित अखबारों ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी।

दैनिक स्वराज इंडिया अखबार को भी बनाया निशाना

इन आपराधिक तत्वों ने अब सिर्फ पत्रकार पर ही नहीं, बल्कि दैनिक स्वराज इंडिया अखबार पर अनर्गल बयान सोशल मीडिया पर डाल कर भ्रमित कर हैं। सोशल मीडिया पर यह झूठ फैलाया जा रहा है कि अखबार का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है, जबकि दैनिक स्वराज इंडिया प्रतिदिन सार्वजनिक रूप से प्रकाशित होता है और लम्बे समय से कानपुर सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में एक वैध समाचार संस्थान के रूप में कार्यरत है।अखबार के खिलाफ की जा रही इन ओछी और तथ्यहीन टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए स्वराज इंडिया की लीगल टीम ने संबंधित पोस्ट्स और वीडियो के साक्ष्य एकत्र करना शुरू कर दिये हैं। टीम ने स्पष्ट किया है कि जल्द ही इन आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ आईटी एक्ट, मानहानि, और साइबर क्राइम की धाराओं में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं शिवांक अग्निहोत्री ने थाना सचेंडी में प्रार्थना पत्र देकर कई नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। जिन नामों का उल्लेख है उनमें जिला बदर सोनू गुप्ता, कथित पत्रकार अमित पटेल, आदित्य त्रिपाठी, आदि शामिल हैं। यह सभी मिलकर सुनियोजित ढंग से पत्रकार की छवि और स्वराज इंडिया के संस्थागत सम्मान को धूमिल करने में जुटे हैं।अब यह सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता पर सुनियोजित हमला है। लेकिन जिस दिन इन चेहरों की पूरी कलई खुलेगी, उसी दिन कानपुर महानगर और आसपास के क्षेत्रों को फर्जी पत्रकारों से मुक्ति मिलेगी और वह दिन अब दूर नहीं।

अतिथियों का स्वागत करते ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी।

ब्लॉक प्रमुख व अतिथियों ने फीता काटकर कार्यों का शुभारंभ किया।

विकास की नई उड़ान: ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी के चार साल के कार्यकाल का मनाया जश्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» 2.18 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

» 29 परियोजनाओं से बदलेगा ग्रामीण संरचना का स्वरूप

» राजनीतिक दिग्गजों की मौजूदगी ने बढ़ाया कार्यक्रम आयोजक का कद

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर विकास खंड अब केवल नक्शे पर नहीं, जमीनी बदलावों में भी पहचान बनाएगा। ब्लॉक प्रमुख शुभम बाजपेयी के चार वर्षों की विकास यात्रा ने रविवार को एक नई दिशा पकड़ी, जब क्षेत्रवासियों को 2.18 करोड़ रुपये की 29 विकास परियोजनाओं की सौगात दी गई।

स्थानीय पंडाल में आयोजित भव्य समारोह में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह, कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय, जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायकगण राहुल बच्चा मोहित सोनकर, नीलिमा कटियार, अभिजीत सांगा तथा एमएलसी अरुण पाठक जैसे वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने माहौल को गरिमा प्रदान की।

कानपुर महापौर प्रमिला पांडेय को स्मृति चिन्ह भेंट करते वरिष्ठ नेता।

नेताओं ने समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की। इसके बाद खड़ंजा, इंटरलॉकिंग सड़कों, नालियों, पेयजल पाइपलाइन, विद्यालयों की बाउंड्रीवाल और आंगनबाड़ी केन्द्रों जैसी 29 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया। इन योजनाओं की कुल लागत लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपये बताई गई। सभी नेताओं ने अपने सरकार की योजनाओं का बखान किया।

जनता को समर्पित, संकल्प को समर्पित : शुभम बाजपेयी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन केवल आंकड़ों की बुनियाद पर नहीं खड़ा है बल्कि इसमें शामिल है जनता का आशीर्वाद, सहयोग और विश्वास। शिवराजपुर को अग्रणी विकास खंड बनाना ही मेरी प्रेरणा है।

पंचायत चुनाव से पहले दिखी राजनीतिक एकजुटता : कार्यक्रम को आगामी पंचायत चुनावों की तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है। जहां एक मंच पर अनेक प्रमुख नेताओं की मौजूदगी ने संगठनात्मक एकता का परिचय दिया। राजनीतिक दिग्गजों की मौजूदगी ने कार्यक्रम आयोजक का कद बढ़ाया है।

बिल्हौर तहसील लेखपाल संघ चुनाव कल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर तहसील लेखपाल संघ की भंग कार्यकारिणी के बाद अब संगठन को नई दिशा देने के लिए चुनावी रण सजा है। कल 22 जुलाई यानी मंगलवार को तहसील सभागार में सुबह 10 बजे से चुनावी प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें अध्यक्ष, मंत्री समेत सभी पदों पर मतदान होगा। यह स्थिति तब बनी जब पूर्व तहसील अध्यक्ष मोहित सचान ने जिला लेखपाल संघ का चुनाव लड़ा और जिलाध्यक्ष निर्वाचित हो गए। उनके प्रमोशन के साथ ही तहसील स्तर की पूरी कार्यकारिणी स्वतः भंग हो गई, जिसके बाद यह चुनाव आवश्यक हो गया। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए जीतेन्द्र यादव, और मंत्री पद के लिए सुनील चौधरी व प्रमोद जैसे नाम सामने आए हैं। हालांकि अंतिम सूची मतदान से पहले जारी होगी। इधर संभावित दावेदार पार्टी और वोटरों को साधने में जुटे हैं, तो वहीं प्रशासन ने चुनाव को शांतिपूर्ण व पारदर्शी बनाए रखने की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

हम भी तुम्हारे... पर असली विलन यही हैं! : जो लेखपाल वोटर दोनों हाथों में लड्डू लिए बैठे हैं, ना इधर के हुए, ना उधर के...न नाप की जमीन तय हुई, न जोख की लाठी किसी तरफ अटकी...चुप बैठे ये वोटर वही हैं।जो आखिरी वक्त पर तय करेंगे किसे देना है कब्जे का भरोसा और किसे थमा देना है वादों की खड़ंजा पट्टी।

बिल्हौर आयुर्वेदिक शिविर

मोबाइल रेडिएशन से बचाव को लेकर जागरूक हुए लोग

लखनऊ से आए डॉक्टर ने किया लोगों को जागरूक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बढ़ते मोबाइल उपयोग के बीच रेडिएशन से होने वाले खतरे अब चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। रविवार को बिल्हौर आयुर्वेदिक अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में लखनऊ से आए आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अंशु देव गुप्ता ने मोबाइल रेडिएशन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक रेडिएशन के संपर्क में रहने से सिरदर्द, चक्कर, नींद की कमी, थकान, याददाश्त में गिरावट, और प्रजनन क्षमता पर विपरीत असर पड़ सकता है। उन्होंने डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट और हंगरी की रिसर्च का हवाला देते हुए कहा कि मोबाइल रेडिएशन से कैंसर और ब्रेन ट्यूमर तक की आशंका बनी रहती है।

» शिविर में लखनऊ से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अंशु देव गुप्ता आए

» रेडिएशन से कैंसर व ब्रेन ट्यूमर तक की आशंका बनी रहती है

डॉ. अंशु ने खासतौर पर बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मोबाइल से दूर रखने की सलाह दी। साथ ही रेडिएशन से बचाव के लिए मोदीकेयर इंविरोचिप के उपयोग की जानकारी दी, जिसे मोबाइल के पीछे लगाने से सुरक्षा मिलती है। शिविर में चिप का लाइव डेमो भी दिखाया गया, जिससे लोगों को इसका प्रभाव समझाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

पंजाब में बढ़ते अपराध गंभीर चुनौती

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है।

सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है।

ठोस रणनीति से ही हिमाचल में नशा मुक्ति की राह

सोमेश गोयल

हिमाचल प्रदेश में नशीले पदार्थों की समस्या बड़ी चुनौती बन गयी है। सिंथेटिक ड्रग्स की स्मगलिंग गंभीर समस्या है। शिकंजा कसने के लिए नशा निवारण कानून के तहत पुलिस द्वारा दर्ज मामले बढ़े हैं। राज्य में एक सर्वेक्षण जरूरी है जिससे नशे के आदी लोगों की पहचान व ठोस रणनीति के तहत पुनर्वास का सतत अभियान चलाया जा सके। इस माफिया पर नकेल के लिए वित्तीय जांच भी बढ़ाई जाये।हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के उद्देश्य से एक सशक्त संदेश देते हुए पुलिस ने केवल एक महीने में ही 250 से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ नशा तस्करी के आरोप में मुकदमें दर्ज किए हैं। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में 183 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

प्रदेश में 14 मामले वाणिज्यिक मात्रा में मादक पदार्थ रखने के लिए, 85 मामले मध्यम मात्रा के लिए और 58 मामले छोटी मात्रा के लिए दर्ज किए गए। लगभग दो दर्जन मामले नशीली दवाओं की खेती से संबंधित थे। एक सकारात्मक कदम के रूप में पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के तहत 21 निवारक प्रस्तावों पर कार्रवाई शुरू की है। राज्य पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी से आधा दर्जन आदेश प्राप्त करने में भी सफलता हासिल की है। लगभग तीन दशकों से मादक पदार्थों की समस्या कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। तस्करी ने केवल गांजा केंद्रित व्यापार से बदलकर छिपाने में आसान और उच्च कीमत वाले सिंथेटिक ड्रग्स की स्मगलिंग का रूप ले लिया है। दूरदराज व दुर्गम इलाके का फायदा उठाते हुए अपराधी यहां अफीम की अवैध खेती भी करते हैं।

वर्ष 2019 के नशीले पदार्थों के उपयोग संबंधी राष्ट्रीय सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश के लिए कोई गंभीर चेतावनी नहीं दी गयी थी। हालांकि, तब से काफी कुछ बदल चुका है। समस्या की सटीक स्थिति जानने के लिए राज्य स्तर पर एक नमूना सर्वेक्षण की तत्काल आवश्यकता है। पुलिस वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में 41 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। राज्य के लिए चिंताजनक बात यह है कि मादक पदार्थों के मामलों में गिरफ्तार किए गए 90 प्रतिशत से अधिक लोग 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के हैं। राज्य की जेलों में लगभग तेरह सौ युवा मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में बंद रहते हैं। राज्य का कोई भी जिला मादक पदार्थों की समस्या से अछूता नहीं है। शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में इस श्रेणी के अधिकतम मामले दर्ज होते हैं।

राज्य की जेलों में एनडीपीएस मामलों से जुड़े दोषी और अभियुक्त कैदियों की संख्या अधिक है। लगभग 40 प्रतिशत पुरुष कैदी, चाहे दोषी हों या अभियुक्त, मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में शामिल हैं। महिलाओं के लिए यह आंकड़ा लगभग 30 प्रतिशत है। छोटी मात्रा के तस्कर अक्सर स्वयं भी नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने वाले होते हैं। लगभग 10 प्रतिशत कैदियों को नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता होती है। ऐसे व्यक्तियों का स्थान जेल नहीं बल्कि पुनर्वास केंद्र होना चाहिए। पुनर्वास के लिए कोई भी तय प्रोटोकॉल न होने के कारण, सुधार गृहों में तैनात चिकित्सक मादक पदार्थों के उपयोगकर्ताओं के उपचार में दक्ष हो गए हैं। राज्य के सुधार विभाग का प्रयास, जो एक केंद्रीय जेल में पुनर्वास केंद्र शुरू करने के लिए एक केंद्रीय योजना का लाभ उठाना चाहता था, राज्य सरकार के एक बाबू द्वारा खारिज कर दिया गया! राज्य सरकार को उन सभी सुधार गृहों को, जहां समर्पित चिकित्सक तैनात हैं, औपचारिक रूप से मादक पदार्थ पुनर्वास केंद्र घोषित करना चाहिए।राज्य की मादक पदार्थ समस्या के प्रति प्रतिक्रिया अब तक टिकाऊ नहीं रही है, जिसने संबंधित सभी मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। सबसे पहले, राज्य सीआईडी के तहत एक एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) स्थापित की गई। बाद में, एक राज्य कानून पारित किया गया और एक विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) बनाई गई, लेकिन एएनटीएफ को समाप्त नहीं किया गया।

संतुलित समाज के निर्माण में हो सहायक

पुरुष आयोग की मांग

डा0 सुधीर कुमार

तर्क दिया जा रहा है कि पुरुष आयोग बनाना समानता के सिद्धांत के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि पुरुषों को भी उनके अधिकारों से वंचित न किया जाए। यह एक ऐसी संस्था होगी जो पुरुषों से संबंधित डेटा एकत्र करेगी, उनकी शिकायतों को सुनेगी, और सरकार को उनके कल्याण के लिए सुझाव देगी।जब हम लैंगिक समानता की बात करते हैं, तो अक्सर महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तीकरण पर ज़ोर दिया जाता है, जो कि बिल्कुल सही और आवश्यक भी है।

यह लैंगिक समानता की दिशा में एक कदम है। समाज में लिंग-आधारित रूढ़िवादिता के कारण, पुरुषों को अपनी पीड़ा व्यक्त करने में हिचकिचाहट होती है, जिससे उनकी समस्याएं अक्सर अनसुनी रह जाती हैं।लंबे समय से, घरेलू हिंसा और प्रेम संबंधों में होने वाली क्रूरता को अक्सर महिलाओं से जोड़कर देखा जाता रहा है, जो कि बिल्कुल सही भी है। महिलाएं इन अपराधों का शिकार होती हैं। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि पुरुष भी इन अपराधों के शिकार हो रहे हैं। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां प्रेम संबंधों में अनबन या अन्य कारणों से पतियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।उनके पास मदद या शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई खास मंच नहीं है।झूठे आरोप भी एक गंभीर समस्या है जिससे पुरुष जूझते हैं। दहेज उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न या अन्य अपराधों के झूठे आरोप पुरुषों के जीवन को पूरी तरह से तबाह कर सकते हैं, भले ही वे बाद में निर्दोष साबित हो जाएं। यह उनके करिअर, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। वर्तमान कानूनी ढांचे में, ऐसे मामलों में पुरुषों को खुद को निर्दोष साबित करने के लिए अक्सर लंबा और जटिल संघर्ष करना पड़ता है, और उनके लिए कोई विशेष सहायता प्रणाली नहीं है।

इसके अलावा, दहेज उत्पीड़न या बलात्कार जैसे कानूनों का कई बार दुरुपयोग होता है, जिसके चलते कई निर्दोष पुरुषों को झूठे मामलों में फंसा दिया जाता है। पारिवारिक विवादों, जैसे तलाक या बच्चों की कस्टडी के मामलों में भी, अक्सर पुरुषों को अलग-थलग महसूस कराया जाता है और उनके पक्ष को कई बार उचित महत्व नहीं मिलता। मानसिक स्वास्थ्य भी एक बड़ा मुद्दा है ; समाज का दबाव पुरुषों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से रोकता है, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में उन्हें न्याय पाने और अपनी बेगुनाही साबित करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यह उनके करियर, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है।

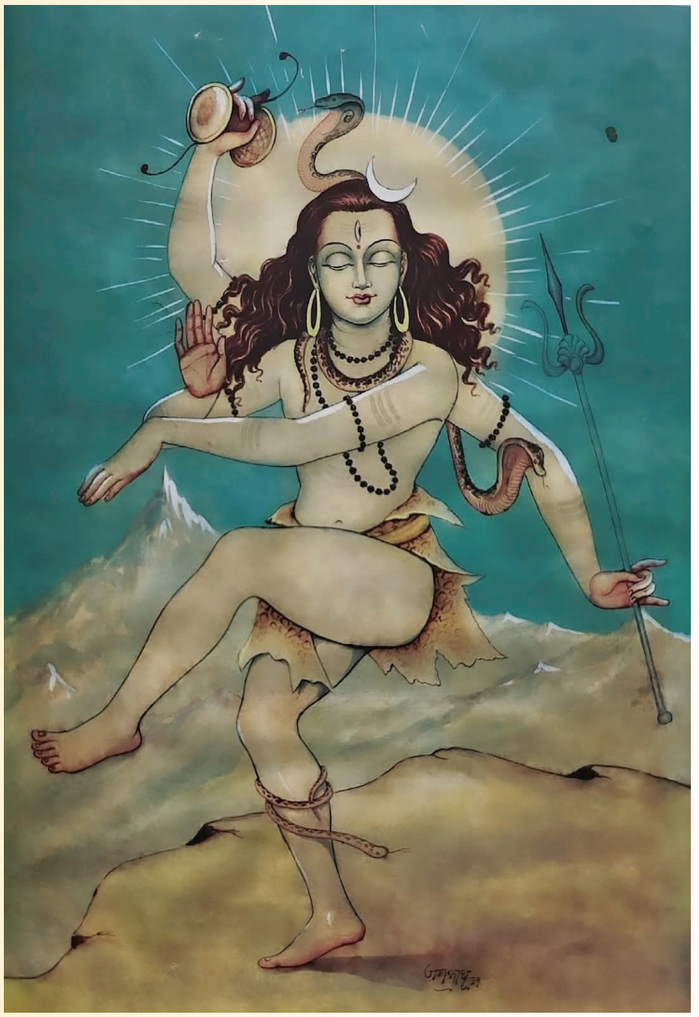

महामृत्युंजय मंत्र की कैसे हुई रचना

किसने की महामृत्युंजय मंत्र की रचना और जाने क्या है इसकी शक्ति

शिवजी के अनन्य भक्त मृकण्ड ऋषि संतानहीन होने के कारण दुखी थे. विधाता ने उन्हें संतान योग नहीं दिया था.

मृकण्ड ने सोचा कि महादेव संसार के सारे विधान बदल सकते हैं. इसलिए क्यों न भोलेनाथ को प्रसन्नकर यह विधान बदलवाया जाए.

मृकण्ड ने घोर तप किया. भोलेनाथ मृकण्ड के तप का कारण जानते थे इसलिए उन्होंने शीघ्र दर्शन न दिया लेकिन भक्त की भक्ति के आगे भोले झुक ही जाते हैं

महादेव प्रसन्न हुए. उन्होंने ऋषि को कहा कि मैं विधान को बदलकर तुम्हें पुत्र का वरदान दे रहा हूं लेकिन इस वरदान के साथ हर्ष के साथ विषाद भी होगा.

भोलेनाथ के वरदान से मृकण्ड को पुत्र हुआ जिसका नाम मार्कण्डेय पड़ा. ज्योतिषियों ने मृकण्ड को बताया कि यह विलक्षण बालक अल्पायु है. इसकी उम्र केवल 12 वर्ष है.

ऋषि का हर्ष विषाद में बदल गया. मृकण्ड ने अपनी पत्नी को आश्वत किया- जिस ईश्वर की कृपा से संतान हुई है वही भोले इसकी रक्षा करेंगे. भाग्य को बदल देना उनके लिए सरल कार्य है.

मार्कण्डेय बड़े होने लगे तो पिता ने उन्हें शिवमंत्र की दीक्षा दी. मार्कण्डेय की माता बालक के उम्र बढ़ने से चिंतित रहती थी. उन्होंने मार्कण्डेय को अल्पायु होने की बात बता दी.

मार्कण्डेय ने निश्चय किया कि माता-पिता के सुख के लिए उसी सदाशिव भगवान से दीर्घायु होने का वरदान लेंगे जिन्होंने जीवन दिया है. बारह वर्ष पूरे होने को आए थे.*

मार्कण्डेय ने शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठकर इसका अखंड जाप करने लगे.

? त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

समय पूरा होने पर यमदूत उन्हें लेने आए. यमदूतों ने देखा कि बालक महाकाल की आराधना कर रहा है तो उन्होंने थोड़ी देर प्रतीक्षा की. मार्केण्डेय ने अखंड जप का संकल्प लिया था.

यमदूतों का मार्कण्डेय को छूने का साहस न हुआ और लौट गए. उन्होंने यमराज को बताया कि वे बालक तक पहुंचने का साहस नहीं कर पाए.

इस पर यमराज ने कहा कि मृकण्ड के पुत्र को मैं स्वयं लेकर आऊंगा. यमराज मार्कण्डेय के पास पहुंच गए.

बालक मार्कण्डेय ने यमराज को देखा तो जोर-जोर से महामृत्युंजय मंत्र का जाप करते हुए शिवलिंग से लिपट गया.

यमराज ने बालक को शिवलिंग से खींचकर ले जाने की चेष्टा की तभी जोरदार हुंकार से मंदिर कांपने लगा. एक प्रचण्ड प्रकाश से यमराज की आंखें चुंधिया गईं.

शिवलिंग से स्वयं महाकाल प्रकट हो गए. उन्होंने हाथों में त्रिशूल लेकर यमराज को सावधान किया और पूछा तुमने मेरी साधना में लीन भक्त को खींचने का साहस कैसे किया? यमराज महाकाल के प्रचंड रूप से कांपने लगे. उन्होंने कहा- प्रभु मैं आप का सेवक हूं. आपने ही जीवों से प्राण हरने का निष्ठुर कार्य मुझे सौंपा है.

भगवान चंद्रशेखर का क्रोध कुछ शांत हुआ तो बोले- मैं अपने भक्त की स्तुति से प्रसन्न हूं और मैंने इसे दीर्घायु होने का वरदान दिया है. तुम इसे नहीं ले जा सकते.यम ने कहा- प्रभु आपकी आज्ञा सर्वोपरि है. मैं आपके भक्त मार्कण्डेय द्वारा रचित महामृत्युंजय का पाठ करने वाले को त्रास नहीं दूंगा.महाकाल की कृपा से मार्केण्डेय दीर्घायु हो गए. उनके द्वारा रचित महामृत्युंजय मंत्र काल को भी परास्त करता है.

बाराबंकी के महादेवा मंदिर में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब

» सावन के दूसरे सोमवार पर गूंजा हर-हर बम-बम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर (बाराबंकी)। सावन मास के दूसरे सोमवार पर भूतभावन भोलेनाथ की स्वंभू नगरी महादेवा धाम में श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। रविवार की रात से ही शिवभक्तों का रेला महादेवा में जुटने लगा था। अर्धरात्रि से ही भक्तों ने कतारबद्ध होकर हर-हर बम-बम के उद्घोष के बीच जलाभिषेक शुरू किया। श्रद्धालु उमस भरी गर्मी की परवाह किए बगैर पूजन-दर्शन में लीन रहे।

लेटकर परिक्रमा करते हुए पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, अक्षत, पुष्प आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया और मनोकामना पूर्ति की कामना की। अर्धरात्रि में शुरू हुआ जलाभिषेक देर शाम तक अनवरत जारी रहा। मंदिर परिसर सहित समूचा महादेवा क्षेत्र शवमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।इस अवसर पर उत्तर भारत के विभिन्न जनपदों — कानपुर, लखनऊ, उन्नाव, झांसी, इटावा, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, गोंडा, जालौन, घाटमपुर, उरई सहित दूरदराज़ से आए करीब दो लाख श्रद्धालु महादेवा धाम पहुंचे। रविवार रात से ही मेले का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

व्यवस्थाओं पर प्रशासन की पैनी नजर

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन मुस्तैद रहा। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने देर रात महादेवा धाम पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।मेला क्षेत्र में पुलिस, पीएसी, फायर ब्रिगेड, फ्लड कंपनी तथा भगवा वेशधारी जवानों की तैनाती की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, जिनसे चोर-उचक्कों पर नजर रखी गई। साथ ही मेडिकल कैंप, खोया-पाया केंद्र, एम्बुलेंस आदि भी श्रद्धालुओं की सहायता के लिए सक्रिय रहे।

श्रद्धा और सेवा का संगम

सावन मेले में बच्चों व महिलाओं के लिए खिलौनों व प्रसाद सामग्री की दुकानों पर खासा उत्साह देखने को मिला। केसरीपुर रेलवे क्रॉसिंग पर श्रद्धालुओं को कुछ दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा, जिसे पुलिस बल ने नियंत्रित किया।वहीं, श्रद्धालुओं की सेवा के लिए जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया, जिसमें पूड़ी, सब्जी, चावल, खीर, हलवा का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं कन्नौज के ग्राम प्रधान गोधनी अनुज कटियार द्वारा महादेव ऑडिटोरियम के पास विशाल भंडारे में हज़ारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस विशाल आयोजन में एडीएम अरुण कुमार, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, एसडीएम विवेक शील यादव, सीओ गरिमा पंत, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी, कोतवाल अनिल कुमार पांडे और महादेवा चौकी इंचार्ज संतोष कुमार त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी व्यवस्था में जुटे रहे

लोधेश्वर से शिव डांस कांवड़ यात्रा सम्पन्न

गुल्ला बीर बाबा को अर्पित किया जल

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। कतुरी कलां, रीवा सींवा और गौसापुर के शिवभक्तों ने सावन के दूसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर भव्य शिव डाक कांवड़ यात्रा निकाली। लोधेश्वर सरोवर से जल भरकर शिवभक्त डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए बाबा कुटी बड्डूपुर होते हुए गुल्ला बीर बाबा मंदिर (रीवा सींवा) पहुंचे

और वहां जल अर्पित किया।यात्रा का उद्देश्य लोधेश्वर रुद्राभिषेक के बाद गुल्ला बीर बाबा की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना रहा। पूरे रास्ते शिवभक्तों ने बोल बम के जयकारों और भजनों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

इस यात्रा में दीपेंद्र वर्मा, ओमकार वर्मा, शिवम् सोनी, अरुण, उपेंद्र, रितेश, अमरेंद्र, अजय, विनय विश्वकर्मा, रमाकांत, अनिल, सुनील सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे।

प्राथमिक विद्यालय बसारा में संचारी रोगों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा (बाराबंकी)।विकास खंड निंदूरा के प्राथमिक विद्यालय बसारा में संचारी रोगों के प्रति बच्चों को जागरूक करने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को संचारी रोगों की पहचान, उनके कारण और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

बच्चों ने नारे लगाकर लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया और इन

रोगों से बचाव के लिए शपथ भी ली। इस दौरान उन्हें स्वच्छता, साफ पानी, और व्यक्तिगत सुरक्षा जैसे उपायों के महत्व के बारे में बताया गया।विद्यालय प्रशासन ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि बच्चों को स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा सके।

खबर बनी असर की वजह, बबूल कटाई से खुला जनमार्ग

» स्वराज इंडिया की रिपोर्ट पर हरकत में आया PWD, खतरे के पेड़ हटाने का काम शुरू

जनता ने कहा आपका अखबार ही असली आवाज़ है

बबूल बना बाधा: गजनेर-नबीपुर मार्ग हादसों का गढ़

सचिन सिंह / स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवन खेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के गजनेर-नबीपुर मार्ग पर सड़क के दोनों ओर फैले बबूल के झाड़ियों और टहनियों ने आवागमन को जानलेवा बना दिया है। विलायती बबूल के पेड़ सड़क में इस कदर घुस आए हैं कि हर घुमाव पर सामने से आ रहे वाहन की भनक तक नहीं लगती, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं कौसम से लेकर मोहाना गांव के बीच में होती हैं।

» हर मोड़ पर मौत का साया, सूचनाओं के बावजूद पीडब्ल्यूडी बेखबर

» सीएम पोर्टल की शिकायतें भी असरहीन, अधिकारियों की नींद नहीं टूटी

स्थानीय लोगों ने बताया कि इन टहनियों की वजह से सड़क कई जगहों पर एक मीटर तक सिकुड़ गई है। ग्रामीणों द्वारा बार-बार सीएम पोर्टल और आईजीआरएस पर शिकायतें करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी केवल कागज़ी कार्रवाई कर मामले को निस्तारित दिखा देते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं है। यह मार्ग कोर्ट, ब्लॉक और जिला मुख्यालय के लिए बेहद अहम है, जहां से अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की भी आवाजाही होती है। इसके बावजूद लोक निर्माण विभाग आंख मूंदे बैठा है। लोग सवाल कर रहे हैं कि जब इतना महत्वपूर्ण मार्ग उपेक्षित हो सकता है, तो बाकी का हाल क्या होगा?

पीडब्ल्यूडी का जवाब- जल्द हटेंगे पेड़

इस मामले में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता साहिबे आलम ने स्वराज इंडिया से बातचीत में कहा कि गजनेर-नबीपुर मार्ग पर बबूल के पेड़ अब सड़कों में घुस आए हैं, जिन्हें जल्द ही हटवाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (माती) गजनेर-नबीपुर मार्ग पर वर्षों से सड़क के भीतर तक घुसे बाबुल के पेड़ दुर्घटनाओं का सबब बन रहे थे। स्वराज इंडिया अखबार ने 17 जुलाई को इस मुद्दे को प्रश्न संख्या-8 के तहत प्रमुखता से उठाया था।

रिपोर्टिंग टीम ने ग्राउंड जीरो से वस्तुस्थिति का वीडियो, तस्वीरें और चश्मदीदों की बयानबाज़ी के साथ विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

अब इस खबर का असर साफ दिखाई दे रहा है।

लोक निर्माण विभाग हरकत में आया और पेड़ों की कटाई का काम शुरू करा दिया गया है।

यह वही बाबुल के पेड़ हैं जो 1 मीटर तक सड़क के अंदर बढ़ आए थे

, जिससे मोड़ों पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी।

जनता ने जताया आभार, कहा यही है हमारी आवाज़

स्थानीय नागरिकों ने स्वराज इंडिया अखबार की टीम को धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि आपका अखबार हमारी समस्या को पूरी ताकत से उठाता है,

इसीलिए हर गांव-कस्बे की पहली पसंद बन चुका है।

खबर का असर: लोहिया नगर को जलभराव से मिली राहत

» ईओ नीति त्रिपाठी की तत्परता से नगर पंचायत ने तत्काल डलवाई ईंटें

» कई दिनों की पीड़ा के बाद अब आसानी से निकल पा रहे हैं लोग, जनता ने जताया आभार

स्वराज इंडिया कानपुर देहात 08

राजपुर : बरसात बनी मुसीबत, कीचड़ से गुजरने को मजबूर लोहिया नगरवासी

» कच्चे रास्ते में भरा पानी, पैदल चलना भी मुश्किल

» ईओ बोलीं – जल्द बनेगी आरसीसी सड़क

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। बरसात में जलभराव से जूझ रहे राजपुर नगर पंचायत के लोहिया नगर वासियों को अब राहत मिली है। स्वराज इंडिया अखबार में शनिवार को पेज 8 पर प्रकाशित खबर का सीधा असर हुआ है। ईओ नीति त्रिपाठी ने खबर का संज्ञान लेकर उसी दिन नगर पंचायत की टीम को मौके पर भेजा। तत्काल एक्शन लेते हुए जलभराव वाले कच्चे रास्ते पर ईंटें व मिट्टी डलवाई गईं, जिससे कीचड़ और पानी की समस्या खत्म हो गई।

लोहिया नगर वार्ड में वर्षों से आरसीसी सड़क का निर्माण नहीं हुआ था। बारिश होते ही गलियों में पानी भर जाता था और आवागमन मुश्किल हो जाता था। वार्ड के सभासद समशाद अहमद और समाजसेवी अरशद अहमद ने कई बार प्रशासन से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही थी। स्वराज इंडिया की खबर छपने के बाद ईओ नीति त्रिपाठी ने स्थिति को गंभीरता से लिया और टीम को तत्काल सुधार कार्य के निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए स्वराज इंडिया और नगर पंचायत का धन्यवाद किया। ईओ नीति त्रिपाठी ने बताया कि जनसमस्याओं का तुरंत निस्तारण हमारी प्राथमिकता है। जब तक सड़क का स्थायी निर्माण नहीं होता, तब तक ऐसे उपाय किए जाते रहेंगे।

» जगदीशपुर गोशाला से गोवंश छोड़े जाने पर ग्रामीणों ने जताई नाराज़गी

सीडीओ से शिकायत, फिर भी जिम्मेदारों पर नहीं हुई कोई ठोस कार्वा

टूटी जाली, भागे बैल ग्रामीणों की फसल पर संकट

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड की जगदीशपुर ग्राम पंचायत में स्थित वृहद गौशाला में अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए रविवार को ग्रामीणों ने विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना है कि गोशाला से छुट्टा गोवंश गांव की ओर छोड़े जा रहे हैं, जिससे फसलें बर्बाद हो रही हैं। सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन तक शिकायत पहुंचने के बावजूद अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है।गांव के शिवम, कोमल, पूर्व प्रधान सरदार नरेश सिंह फौजी, रामवरन, श्यामसुंदर, मोहित, कल्लू, विनय, रामप्रकाश फौजी, ब्रजपाल समेत अन्य लोग परिषदीय विद्यालय में एकत्रित होकर इस मुद्दे पर चर्चा करने पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि गोशाला में सात केयरटेकर तैनात हैं, फिर भी देखरेख ढंग से नहीं हो रही। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर मृत गोवंश को ट्रैक्टर में बांधकर घसीटते हुए जंगल ले जाया जा रहा है। (स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता)। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई गोवंशों को खुला छोड़ दिया गया है, जो खेतों में घुसकर भारी नुकसान कर रहे हैं।पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक सचान ने बताया कि गौशाला में फिलहाल 180 गोवंश संरक्षित हैं। वहीं ग्राम विकास अधिकारी रिकल सिंह ने माना कि गौशाला की करीब 60 मीटर बाउंड्री की जाली टूटी हुई है, जिससे मवेशी बाहर निकल जाते हैं। उनका कहना है कि ग्राम पंचायत छोटी होने के कारण पर्याप्त बजट नहीं मिल पाता है और प्रधान वर्तमान में बाहर गए हैं। ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र पासवान से संपर्क का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। फिलहाल क्षेत्र पंचायत निधि से जाली मरम्मत का प्रस्ताव लंबित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

हरे पेड़ों पर चला आरा, जुर्माने पर सन्नाटा

» एक तरफ 'एक पेड़ मां के नाम', दूसरी तरफ हरे आम-जामुन के पेड़ों की कटाई

» 48 घंटे बाद भी ठेकेदार पर न मुकदमा, न जुर्माना तय वन विभाग की भूमिका संदिग्ध

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, माती। जहां एक ओर उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर पेड़ मां के नाम जैसे अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर वन विभाग की मिलीभगत से हरियाली की हत्या बेरोकटोक जारी है। सरवनखेड़ा क्षेत्र के गजनेर थाना क्षेत्र के हिलौठी गांव में शनिवार को ठेकेदारों द्वारा छह हरे आम के वृक्षों और एक जामुन के पेड़ पर आरा चलवा दिया गया। हैरानी की बात यह है कि 48 घंटे बीत जाने के बाद भी न कोई जुर्माना तय हुआ है और न ही मुकदमा दर्ज हुआ।

रात में भी चली कटाई की आरी, मीडिया देख ठेकेदार भागे

स्थानीय सूत्रों के अनुसार ठेकेदारों ने आधी रात को ट्रैक्टर-ट्रॉली से पेड़ों की कटाई शुरू की ताकि सुबह तक कोई सबूत न बचे। लेकिन सूचना मिलने पर मीडिया कर्मी मौके पर पहुंचे तो ठेकेदार वाहन लेकर भाग निकले। जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, तो रेंजर शशि तोमर ने छह आम के वृक्षों और एक जामुन के पेड़ के कटे होने की पुष्टि की। रात अधिक हो जाने से तत्काल नापजोख नहीं हो सकी, जिसे रविवार सुबह किया गया।

आधी कीमत में खरीद, वन विभाग की मिलीभगत से कटाई का खुला खेल

ग्रामीणों और सूत्रों का कहना है कि ठेकेदार बाजार मूल्य से आधी कीमत पर हरे पेड़ खरीदते हैं और वन विभाग की आंखों के सामने कटवाते हैं। मीडिया की निगाहों से बचने के लिए कभी जुर्माना दिखाया जाता है, तो कभी खानापूर्ति के लिए मुकदमा दर्ज करने का नाटक किया जाता है। इतनी बड़ी कटाई के बाद भी अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई, जिससे साफ है कि विभागीय संरक्षण ठेकेदारों को मिल रहा है।जब वन रेंजर से इस मामले पर बात की गई, तो उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और ठेकेदार के आने पर जुर्माना तय किया जाएगा। लेकिन 48 घंटे से अधिक बीत जाने के बावजूद कोई जुर्माना तय नहीं हुआ, न ही कोई ठोस कार्रवाई सामने आई है।

समस्या

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना

50 साल से कच्ची सड़क की मार झेल रहे ग्रामीण, अब फूटा आक्रोश

» सरायहरपाली मजरा मझकुड़रा तक नहीं पहुंची प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना

» बीमार तक अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे, इलाज के अभाव में कई जानें गईं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के बावजूद ग्राम पंचायत सरायहरपाली के मजरा मझकुड़रा तक आज भी पक्की सड़क नहीं पहुंच सकी है। लगभग दो किलोमीटर का कच्चा रास्ता, जो मड़ौली मार्ग से होकर गांव तक जाता है, हर मौसम में ग्रामीणों के लिए मुसीबत बना हुआ है। बरसात में यह सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे बच्चों की स्कूल पहुंच से लेकर बीमारों के अस्पताल तक पहुंचने में जान जोखिम में पड़ती है।

ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों, लेखपाल और प्रशासनिक अधिकारियों से सड़क बनवाने की गुहार लगाई लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला। अब हालात यह हैं कि ग्रामीण खुद मिट्टी डलवाकर रास्ता सुधारने की नाकाम कोशिश कर चुके हैं। शुक्रवार को गांव के अमित की अगुवाई में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर जिला प्रशासन और विधायक प्रतिभा शुक्ला से पक्की सड़क की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क के अभाव में अस्पताल न पहुंच पाने के चलते कई मौते हो चुकी हैं, और हर चुनाव में वादे करके नेता मुकर जाते हैं। गांव में करीब 60-80 परिवार रहते हैं, जिसकी आबादी करीब 1500 के करीब है लेकिन आज भी पगडंडी और खेतों के सहारे जिंदगी चल रही है। प्रशासनिक उपेक्षा और नेताओं की अनदेखी ने इस इलाके को विकास से कोसों दूर कर दिया है।

कब्रिस्तान की जमीन को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

» कोर्ट आदेश का दावा — पुलिस ने मौके पर संभाला मोर्चा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अकबरपुर (कानपुर देहात)।रविवार को अकबरपुर के रूरा रोड स्थित पुराने कब्रिस्तान की जमीन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया। एक ओर जहां मुस्लिम राइन बिरादरी के लोग इसे पुश्तैनी कब्रिस्तान बताते हुए कब्जे का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक महिला रूबीना कोर्ट आदेश के आधार पर जमीन को समतल कराने पहुंचीं। हालात बिगड़ते देख मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों पक्षों को कोतवाली भेजा।जानकारी के अनुसार, रूरा रोड स्थित इस कब्रिस्तान में मुस्लिम राइन बिरादरी के लोग बीते करीब 200 वर्षों से शव दफनाते आ रहे हैं। बिरादरी के लोगों के अनुसार, यहां लगभग 50 पक्की और सैकड़ों कच्ची कब्रें हैं, जिनमें उनके पूर्वजों को दफनाया गया है। शनिवार को जब रूबीना बुलडोजर लेकर वहां पहुंचीं और जमीन समतल कराने का कार्य शुरू कराया, तो राइन बिरादरी के लोगों में आक्रोश फैल गया और सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।रूबीना ने दावा किया कि उनके पास कोर्ट का स्पष्ट आदेश है, जिसमें जमीन उनके नाम पर होने की पुष्टि की गई है। उन्होंने आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वह केवल न्यायालय के आदेश का पालन कर रही हैं।वहीं, राइन बिरादरी के प्रतिनिधि चौधरी नसीम राइन ने बताया कि उक्त जमीन पर बिरादरी के पूर्वजों की कब्रें हैं और यह स्थान उनके लिए आस्था का केंद्र है। उनका आरोप है कि अब जब यह जमीन सड़क किनारे और बेशकीमती हो गई है, तो कुछ लोग उस पर कब्जा करना चाहते हैं।मामले पर इंस्पेक्टर अकबरपुर सतीश सिंह ने बताया कि फ्एक पक्ष के पास कोर्ट का आदेश है, वहीं दूसरे पक्ष से दस्तावेज मांगे गए हैं। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है ।

अयोध्या नगर निगम की बैठक में महापौर पर गंभीर आरोप

» जय श्रीराम बोलकर सदन से निकले महापौर, जन समस्याओं और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों पर नहीं की कोई चर्चा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 20 जुलाई 2025 को अयोध्या नगर निगम की नवम बोर्ड बैठक में लोकतंत्र की गरिमा उस वक्त तार-तार हो गई जब बिना राष्ट्रगान कराए ही महापौर ने बैठक समाप्त कर दी। दो घंटे की देरी से पहुंचे महापौर ने न तो किसी पार्षद की बात सुनी, न जनहित के मुद्दों पर चर्चा की और न ही पार्षदों के प्रस्तावों को कोई तवज्जो दी। इसके बजाय बैठक की शुरुआत होते ही बिना एजेंडा सार्वजनिक किए नई कार्यकारिणी गठन का मुद्दा छेड़ दिया गया, जिससे सदन में भारी विवाद छिड़ गया।

विपक्ष का आक्रोश

सदन में विपक्ष के नेता और अन्य पार्षदों ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तीखा विरोध जताया।

उनका कहना था कि महापौर जन समस्याओं पर चर्चा करने से भागे और सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाई। विपक्ष का आरोप था कि यह बैठक नहीं, एक रणनीतिक पलायन था। विपक्षी पार्षदों का यह भी कहना है कि नगर निगम अधिनियम के विपरीत जाकर बिना पूर्ण पारदर्शिता के कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया शुरू करना एक दूषित मंशा का परिचायक है।

आधे से अधिक पार्षदों ने सामूहिक रूप से मांग की है कि जल्द ही जनहित पर केंद्रित सामान्य बैठक कराई जाए।

प्रेसवार्ता में राम भवन यादव,सोमू यादव,अखिलेश पांडेय,प्रिया शुक्ला,वकार अहमद,विशाल यादव, अरविंद यादव, इंद्रावती,विकास कुमार, राशिद सलीम घोषी, सर्वजीत यादव सहित तमाम पार्षद मौजूद रहे।

महापौर पर लगाए गए आरोप

बैठक को पूर्व नियोजित ढंग से भटकाया गया
कार्यकारिणी गठन का एजेंडा पहले से तय नहीं था
पार्षदों के जनहित प्रस्तावों को दरकिनार किया गया
भ्रष्टाचार और विकास ठप होने के सवालों से बचा गया
राष्ट्रगान की अनदेखी कर जय श्रीराम के नारों से बैठक समाप्त की गई

बैठक या बहाना? सवालों से भागते सत्ता के सरदार

अयोध्या नगर निगम की नवीं बोर्ड बैठक इस बात का प्रतीक बन गई कि कैसे लोकतांत्रिक संस्थानों को 'मैनेजमेंट' का अड्डा बना दिया गया है। जब जनता के मुद्दे एजेंडे से बाहर कर दिए जाएं, जब पार्षदों की आवाज सुनी ही न जाए और जब राष्ट्रगान की जगह केवल नारों से कार्यवाही खत्म हो–तो यह न सिर्फ नियमों का अपमान है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को ठेस पहुंचाना भी है। सवाल यह है कि क्या अयोध्या की जनता ने सिर्फ जय श्रीराम सुनने के लिए प्रतिनिधि चुने हैं या समस्याओं के समाधान के लिए?

मानदेय की जगह मिली मायूसी

स्टेट अचीवमेंट सर्वे में फील्ड इन्वेस्टिगेटरों को डायट अयोध्या ने दिखाया ठेंगा!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।बेसिक शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए हैं। वर्ष 2023 में आयोजित स्टेट अचीवमेंट सर्वे (सीज–2023) के तहत अयोध्या के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को फील्ड इन्वेस्टिगेटर (एफआई) के रूप में लगाया गया था। शासन द्वारा इन एफआई को प्रति व्यक्ति 1200 रुपये मानदेय देने का आदेश था, जिसके लिए संबंधित शिक्षकों के आधार, पैन और बैंक खाते की जानकारी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों ने डायट को भेजी थी।मानदेय भुगतान के लिए मार्च 2023 में ही बजट डायट अयोध्या को मिल गया था और पोर्टल के जरिए भुगतान किया जाना था।

लेकिन, करीब सवा साल बीतने को हैं ज्यादातर एफआई अब भी उस पैसे के इंतज़ार में हैं, जिसे वो अपना अधिकार मानते हैं।आश्चर्य की बात ये है कि चंद खुशकिस्मत एफआई को यह मानदेय प्राप्त हो गया, जबकि बाकी सैकड़ों शिक्षकों को नजरअंदाज कर दिया गया। आरोप है कि डायट अयोध्या ने इस मामले में लापरवाही ही नहीं, बल्कि जानबूझकर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया है। शिक्षकों का आरोप है कि मार्च 2024 को वित्तीय वर्ष समाप्त हो चुका है, ऐसे में यह आशंका गहराती जा रही है कि उनके हक का बजट सरेंडर कर दिया गया है।

भ्रष्टाचार की बू, जवाबदेही गायब

शिक्षकों का कहना है कि यह मामला सीधे–सीधे वित्तीय घोटाले की श्रेणी में आता है। तय मानदेय का भुगतान नहीं होना शासनादेश की खुली अवहेलना है। न तो डायट प्रशासन की ओर से कोई स्पष्टीकरण मिला है, न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई की गई है।

सवाल यह भी उठते हैं कि -
यदि भुगतान के आदेश समय से हुए थे तो पैसे अटक कैसे गए?
-जिन एफआई को भुगतान हुआ, उन्हें कैसे और किन मानकों पर चयनित किया गया?

क्या जानबूझकर कुछ शिक्षकों को 'बाहर' रखा गया?

क्या यह मामला 'कट-मनी' का है?

शिक्षकों ने मुख्यमंत्री तक भेजा पत्र

पीड़ित शिक्षकों ने इस घोटाले को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग के महानिदेशक, सचिव, निदेशक समेत मुख्यमंत्री को भी पत्र भेजकर जांच की मांग की है। उनका साफ कहना है कि जब हमसे पूरी जिम्मेदारी से परीक्षा कराई गई, तो हमारा मेहनताना रोका क्यों गया? यह सिर्फ शिक्षकों का सवाल नहीं, बल्कि सिस्टम की साख का भी सवाल है। अगर मेहनत की कीमत न मिले, तो शिक्षा की नींव कौन मजबूत करेगा?

मानसून सत्र

माया‌वती की संसद सत्र से पहले

सरकार और विपक्ष को दो टूक नसीहत

» जनहित के मुद्दों पर मांगी एकजुटता

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र को लेकर देशभर की निगाहें टिकी हैं। इससे ठीक पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक अहम पोस्ट साझा कर सरकार और विपक्ष, दोनों को खरी-खरी सुनाई है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस सत्र को जनहित और देशहित के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया और आशंका जताई कि कहीं यह भी पूर्व सत्रों की तरह हंगामे की भेंट न चढ़ जाए। उन्होंने सरकार और विपक्ष को आगाह करते हुए लिखा कि, देश को अब खोखली बहस नहीं, बल्कि ठोस नीतियों की जरूरत है।

संसद सत्र से जनता को है उम्मीदें- मायावती

मायावती ने कहा कि संसद का यह बहुप्रतीक्षित सत्र कहीं भी निराशाजनक न हो जाए, यह हर देशवासी की स्वाभाविक चिन्ता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले सत्रों की तरह यदि यह सत्र भी सरकार और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे की भेंट चढ़ गया, तो देश के करोड़ों गरीब, मेहनतकश और बहुजन वर्ग के लिए यह एक और अच्छे दिन से वंचित अवसर होगा।

जनहित और सुरक्षा के मुद्दों पर गहराई से बहस की मांग

बसपा सुप्रीमो ने बढ़ती महंगाई, बेरोज़गारी, महिला असुरक्षा, भाषावाद और क्षेत्रीय विवादों जैसे ज्वलंत मुद्दों के साथ-साथ आंतरिक व बाहरी सुरक्षा के सवालों पर गहन और सार्थक बहस की आवश्यकता जताई। उन्होंने

कहा कि इन मुद्दों पर दीर्घकालीन नीति और रणनीति तय करने के लिए संसद का सुचारू रूप से चलना जरूरी है।

ऑपरेशन सिंदूर पर बहस को तैयार हो सरकार

पूर्व मुख्यमंत्री ने पहलगाम नरसंहार और भारत के ऑपरेशन सिंदूर जैसे संवेदनशील मामलों को संसद में चर्चा के लिए लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए क्योंकि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है।

वैश्विक परिस्थितियों का भारत पर असर

मायावती ने कहा कि मौजूदा वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक हालात लगातार करवट ले रहे हैं। ऐसे में भारत जैसे लोकतंत्र पर नई चुनौतियां और खतरे मंडरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सिर्फ सरकार की सजगता काफी नहीं, बल्कि विपक्ष को साथ लेकर राष्ट्रहित में सामूहिक प्रयास जरूरी है।

पार्टी से ऊपर राष्ट्रहित को रखें

मायावती ने स्पष्ट तौर पर कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों को पार्टी की राजनीति से ऊपर उठकर काम करना होगा। यही इस समय देश की सबसे बड़ी जरूरत है और यही जनता की भी उम्मीद है।संसद के मानसून सत्र से पहले मायावती का यह बयान न केवल राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है, बल्कि यह जनता की उन भावनाओं को भी स्वर देता है, जो सरकार और विपक्ष दोनों से परिणाममुखी संवाद और सार्थक नीति निर्माण की अपेक्षा रखते हैं।

अब देखना होगा कि संसद के इस मानसून सत्र में राजनीतिक दल मायावती की इस जनआवाज को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

पड़ोसियों ने मासूम को जरा सी बात पर मार डाला....

» बोरे में पैक कर शव को गाड़ा, फिर मांगी 80 लाख की फिरौती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। फतेहाबाद में मासूम अभय की अपहरण के बाद हत्या के मामला का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपियों ने मासूम अभय को चीखते ही गला घोंट दिया था। हत्या करने के बाद फिरौती मांगी थी।

अपहरण के बाद कक्षा एक के छात्र अभय (8) की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा कर दिया है। छात्र की हत्या पड़ोसी ने दुकानदार के साथ मिलकर की थी। दोनों स्कूटी पर बैठाकर उसे मनिया लेकर जा रहे थे। रास्ते में रोने पर दोनों ने गला दबाकर मार डाला। बाद में परिवार से 80 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी।

थाना फतेहाबाद के विजय नगर कॉलोनी निवासी विजय प्रकाश उर्फ बीपी मैक्स चालक हैं। 30 अप्रैल को घर के बाहर खेलते समय उनके बेटे अभय उर्फ बिट्टू (8) का अपहरण हो गया था।शनिवार को पुलिस ने आरोपी विजय नगर कॉलोनी में जनसेवा केंद्र चलाने वाले कृष्णा उर्फ भजन लाल निवासी गढ़ी साबराय, फतेहाबाद को प्रतापपुरा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 80 दिन बाद छात्र का शव मनिया, राजस्थान से बरामद किया गया। रविवार को छात्र के घर के सामने रहने वाले आरोपी राहुल को भी गिरफ्तार किया।

इसलिए रंजिश रखता था आरोपी

कृष्णा ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले अभय के ताऊ राजेश और पिता विजय प्रकाश से झगड़ा हो गया था। तभी से वह अभय के पिता से रंजिश रखता था। 30 अप्रैल को कॉलोनी में शादी थी। उसी समय अपने साथी राहुल के साथ मिलकर अभय को पिता के पास ले जाने के बहाने स्कूटी पर बैठाकर ले जा रहा था।छात्र के चिल्लाने पर गला घोंटकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कृष्णा पर कॉलोनी के कई लोगों का पैसा बकाया था। उसने नौकरी दिलाने के नाम पर रकम वसूली थी। लोग तगादा कर रहे थे, जिससे छुटकारा पाने के लिए उसने अपहरण की योजना बनाई। राहुल पड़ोसी है और वेल्डिंग का काम करता है।

दो माह पहले बना ली थी अपहरण की योजना

घटना से 15 दिन पहले से ही कृष्णा ने अभय से दोस्ती बढ़ानी शुरू कर दी थी। रोजाना टॉफी देकर उसे बहलाता था ताकि वह आसानी से स्कूटी पर चले। अपहरण की दो माह पहले योजना बना रहे थे।वहीं, मृतक के तहेरे भाई विनीत ने बताया कि वह अक्सर कृष्णा की दुकान पर बैठता था। तभी बातचीत में कृष्णा कहता था कि एक दिन बड़ा करूंगा सब याद करेंगे, हमें नहीं पता था कि वह हमारे साथ ही ऐसा करेगा।

अम्बेडकर नगर- चार बच्चों के बाप ने किया साली से शादी का ऐलान

» साली-ससुराल और इश्क़ का इकरारनामा, पत्नी बनी मौन गवाह

स्वराज इंडिया संवाददाता

अंबेडकरनगर। रिश्तों की मर्यादा, सामाजिक चौखट और पारिवारिक परंपराएं इन सबको झकझोर देने वाला एक अजीबो-गरीब मामला जलालपुर कोतवाली क्षेत्र से सामने आया है। यहां एक 45 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 24 वर्षीय साली से प्रेम विवाह की जिद ठान दी, और हैरानी की बात ये कि इस रिश्ते को न सिर्फ उसकी पत्नी ने मौन समर्थन दे दिया, बल्कि युवती के परिजनों ने भी अंततः लिखित सहमति दे दी।

बता दें कि मूल रूप से आजमगढ़ निवासी उक्त व्यक्ति की शादी करीब 15 साल पहले अंबेडकरनगर की एक युवती से हुई थी। समय के साथ उसका अपनी साली से रिश्ता गहराता गया, जो अब प्रेम में बदल चुका है। जबकि वह चार बच्चों का पिता है सबसे छोटा बच्चा महज़ एक साल का।

मामले ने तब तूल पकड़ा जब युवती के परिजनों ने विरोध दर्ज कराते हुए आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज करा दी।

जलालपुर पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया। थाने में युवती ने साफ कहा कि वह अपने जीजा से प्रेम करती है और उसी के साथ विवाह करना चाहती है।

सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब उसकी बहन यानी आरोपी की पत्नी ने इस रिश्ते का विरोध नहीं किया। इस इमोशनल सर्जरी के बाद परिवार भी टूटकर बिखरने के बजाय एक अजीब से समझौते की तरफ मुड़ गया। युवती के भाई ने थाने में ही लिखित समझौता देकर बहन को उसके प्रेमी जीजा के साथ भेजने की सहमति दे दी।

कोतवाल संतोष कुमार सिंह के अनुसार, युवती बालिग है और अपने फैसले पर अडिग थी। दोनों पक्षों को समझाकर शांतिपूर्वक मामला निपटा दिया गया है। प्रश्न यही है क्या ये इश्क़ की जीत है या सामाजिक मूल्य व्यवस्था की हार?

‘कोई तकलीफ है तो बताइए मंत्री जी के बड़े बेटे आए हैं’

मंत्री का बेटा कर रहा अस्पतालों की जांच, फिर डालता है रील

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिस पर विवाद खड़ा हो गया है।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री का बेटा अस्पतालों में ‘औचक निरीक्षण’ करने पहुंच गया। बाकायदा रील बनाई और इंस्टाग्राम पर बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ अपलोड की। रील वायरल हुई तो विवाद खड़ा हो गया। आरोप लगे कि मंत्री जी के बेटे को रील शूट करने में ज्यादा दिलचस्पी है। मंत्री जी सफाई में बोले कि बेटा तो नेक काम कर रहा है, लोग उसे तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं।

वीडियो में क्या दिखा? : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है। ये रील कृष ने ही अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट की थी, जिसमें वे अपने दोस्तों के साथ अस्पतालों का निरीक्षण करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि अपने आठ-दस दोस्तों के साथ एक युवक (मंत्री का बेटा) रिम्स के वार्ड के अंदर यह कहते हुए घुसता है-‘कोई तकलीफ है क्या आपको? कोई तकलीफ है?’ मरीज और उनके परिजन हैरान होकर उसकी ओर देखते हैं। तभी दूसरा युवक कहता है-‘कोई तकलीफ है तो बताइए, मंत्री जी के बड़े बेटे आए हैं।’ फिर वह युवक पास में खड़े एक व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए कहता है कि किसी को जो भी दिक्कत है, सर को डिटेल दे दीजिएगा... तकलीफ डिटेल में बताइए, डायरेक्टली बात करेंगे।’ फिर एक निजी अस्पताल में निरीक्षण के दौरान किसी मरीज के बिल को देखकर मंत्री का बेटा कहता है, ‘ये चार्जेज तो इनवैलिड हैं।’

विपक्ष ने लगाए आरोप : इस वीडियो को लेकर राज्य में विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि अस्पतालों में इस तरह के निरीक्षण करने के लिए मंत्री के बेटे के पास कौन-सा अधिकार है। बीजेपी प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि स्वास्थ्य ढांचे पर ध्यान देने के बजाय झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री के बेटे को रील शूट करने में ज्यादा दिलचस्पी है। अजय साह ने कहा कि उनके बेटे को डांटने या उसे सही रास्ता दिखाने के बजाय, मंत्री ने घटना को उचित ठहराने का विकल्प चुना है। साह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इरफान अंसारी, राहुल गांधी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं और अपने पूरे परिवार को शुरुआती दौर से ही राजनीति में स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने दी सफाई : रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एक बयान जारी कर अपने बेटे का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को गलत तरीके से घसीटा जा रहा है। दावा किया कि कृष आधिकारिक निरीक्षण या राजनीति चमकाने के लिए अस्पताल नहीं गया था। अंसारी ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान कृष ने अस्पताल में भर्ती एक सीनियर पत्रकार के रिश्तेदार की भी मदद की। मंत्री ने कहा कि उनके बेटे ने पूरी तरह से मानवीय आधार पर काम किया। जिस तरह से इस घटना को अब राजनीतिक बयानबाज़ी के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला

पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी पर भी रिश्वत लेने का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अमरावती। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत में आरोप पत्र दायर किया है। इसमें बताया गया है कि औसतन 50-60 करोड़ रुपये प्रति माह की कुल रिश्वत प्राप्त करने वालों में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी भी शामिल हैं।

305 पन्नों के आरोप पत्र में जगन का नाम आरोपित के रूप में दर्ज नहीं किया गया है। बहरहाल, अदालत ने अभी तक आरोप पत्र पर संज्ञान नहीं लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आंध्र प्रदेश प्रभारी मणिक्कम टैगोर ने कहा है कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हुए इस घोटाले के असली मास्टरमाइंड पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी हैं।

एक्स पोस्ट पर उन्होंने आरोप लगाया कि जगन के शराब माफिया ने राज्य के एक करोड़ गरीब परिवारों को तबाह कर दिया। उन्होंने दावा किया कि करोड़ों की रिश्वत के बदले विश्वसनीय शराब ब्रांडों को घटिया एवं हानिकारक ब्रांडों से बदल दिया गया। उधर, घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआइटी) ने पूर्व आबकारी मंत्री के. नारायण स्वामी को तलब किया है।

भूस्खलन का खतरा बढ़ा

मां वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बड़ा हादसा

भूस्खलन में कई श्रद्धालु दबे, बचाव कार्य जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कटरा, जम्मू-कश्मीर। सोमवार सुबह वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बड़ा झटका लगा, जब कटरा से त्रिकुटा पहाड़ियों की ओर जाने वाले पुराने मार्ग पर अचानक भूस्खलन हो गया। यह हादसा बाणगंगा के पास स्थित गुलशन का लंगर क्षेत्र में सुबह करीब 8:50 बजे हुआ, जब मार्ग पर बने एक शेड पर पहाड़ी मलबा गिर गया।

हादसे के वक्त वहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और टट्टू सवार मौजूद थे। भूस्खलन की चपेट में आकर कई लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक चार श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाल लिया गया है और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि, अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। प्रभावित मार्ग को फिलहाल यात्रा के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। मंदिर की ओर जाने वाले यात्रियों को कटरा स्थित आधार शिविर में ही रोक दिया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। ड्रोन कैमरों और अन्य उपकरणों की मदद से मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

यात्रा पर अस्थायी रोक मौसम बना चुनौती

भूस्खलन की यह घटना उस समय हुई जब वैष्णो देवी यात्रा अपने चरम पर थी। सावन माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण त्रिकुटा पहाड़ियों में सुरक्षा खतरे बढ़ गए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मौसम को देखते हुए आगे भी सतर्कता बरतने और यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए चिकित्सा दलों और सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।